कक्षा ११ के लिए पाठ्यपुस्तक

रसायन

भाग १

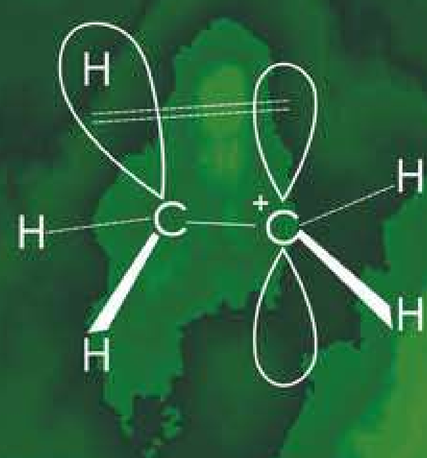

क्यू आर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के ऊपर कोने में स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यू आर (QR) कोड कहते हैं। यह क्यू आर कोड आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यू आर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है। बाद में प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यू आर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह कोड आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेंगे।

अपने मोबाइल फोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन करें और ई-सामग्री प्राप्त करें।

प्ले स्टोर से क्यू आर कोड स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यू आर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर को क्यू आर कोड के सामने रखें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाएँ

1. फ़ायरफ़ॉक्स ( ), क्रोम ( ) आदि वेब ब्राउज़र खोलें।
2. ई-पाठशाला वेबसाइट पर जाएँ (http//:epathshala.nic.in)।
3. 'एक्सेस ई-सामग्री' वाले बॉक्स पर क्लिक करें।
4. प्रत्येक क्यू आर कोड ( ) के नीचे दिए गए अक्षरांकीय कोड को टंकित करें।
5. अब जो लिंक प्रस्तुत हुए हैं, उनके प्रयोग से ई-सामग्री खोजें।

रसायन

भाग 1

कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक

11084

रसायन

भाग 1

कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
मार्च 2006 चैत्र 1927

पुनर्मुद्रण
जनवरी 2007 माघ 1928
नवम्बर 2007 कार्तिक 1929
अप्रैल 2009 चैत्र 1931
नवम्बर 2009 कार्तिक 1931
दिसंबर 2010 अग्रहायण 1932
अक्टूबर 2012 आश्विन 1934
जनवरी 2014 पौष 1935
दिसंबर 2014 पौष 1936
दिसंबर 2015 पौष 1937
मार्च 2017 फाल्गुन 1938
जनवरी 2018 माघ 1939
दिसंबर 2018 अग्रहायण 1940
सितम्बर 2019 भाद्रपक्ष 1941

PD 20T RSP
© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधन और प्रशिक्षण परिषद् , 2006

₹ 180.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्वफ 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधन और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा वीर प्रिंटो ग्रापफ, 64, मोहकमपुर इंडस्ट्रियल कॉम्पलैक्स, प`फश-प्ए दिल्ली रोड, मेरठ- 250002 ;उ.प्र.द्ध द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-516-4

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन सी ई आर टी के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बैंगलूर 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकटः धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग	:	एम. सिराज अनवर
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अरुण चितकारा
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	बिबाष कुमार दास
संपादक	:	रेखा अग्रवाल
उत्पादन अधिकारी	:	प्रकाश वीर सिंह

आवरण
श्वेता राव

चित्रांकन
निधि वाधवा
अनिल नयाल

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है, जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने तथा सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए, तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस तथा हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक विकास समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् विज्ञान एवं गणित की पाठ्यपुस्तक के सलाहकार समूह के अध्यक्ष जे.वी. नार्लीकर और इस पाठ्यपुस्तक के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर बी.एल. खंडेलवाल की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान दिया; इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी, जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
20 दिसंबर 2005

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

अध्यक्ष, विज्ञान और गणित पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

जयंत विष्णु नार्लीकर, प्रोफ़ेसर, अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र, खगोलविज्ञान और खगोलभौतिकी, पूना विश्वविद्यालय, पूना

मुख्य सलाहकार

बी.एल. खंडेलवाल, प्रोफ़ेसर (अवकाशप्राप्त)] इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नयी दिल्ली

सदस्य

अलका मेहरोत्रा, रीडर, (समन्वयक, अंग्रेज़ी संस्करण), डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अंजनी कौल, प्रवक्ता, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
आई.पी. अग्रवाल, प्रोफ़ेसर, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल
ए.एस. बरार, प्रोफ़ेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नयी दिल्ली
एच.ओ. गुप्ता, प्रोफ़ेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
एस.के.गुप्ता, रीडर, स्कूल ऑफ स्टडीज़ इनं केमैस्ट्री, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
एस.के. डोगरा, प्रोफ़ेसर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
जयश्री शर्मा, प्रोफ़ेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
पूनम साहनी, पी.जी.टी. (रसायन विज्ञान), केन्द्रीय विद्यालय, विकासपुरी, नयी दिल्ली
मैत्रेयी चंद्रा, प्रोफ़ेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
वी.के. वर्मा, प्रोफ़ेसर, (अवकाशप्राप्त), इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
वी.पी. गुप्ता, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल
शुभा केशवन, प्रधानाध्यापिका, डेमोंसट्रेशन स्कूल, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., मैसूर
साधना भार्गव, पी.जी.टी. (रसायन विज्ञान), सरदार पटेल विद्यालय, लोदी इस्टेट, नयी दिल्ली
सुखवीर सिंह, रीडर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सुनीता मल्होत्रा, प्रोफ़ेसर, स्कूल ऑफ साइंसेज़, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

आर.के. पाराशर, प्रवक्ता, (समन्वयक, हिंदी संस्करण), डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

हिंदी रूपांतर

आर.आर. गोयल, रीडर, रसायन विज्ञान विभाग, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
आर.के. उपाध्याय, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर
आलोक चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर
एस.पी. माथुर, विभागाध्यक्ष, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन विभाग, म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर

डी.के. शर्मा, रीडर रसायन विज्ञान विभाग, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

के.जी. ओझा, एसोशिएट प्रोफ़ेसर, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन विभाग, म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर

ललिता एस. कुमार, रीडर स्कूल ऑफ साइन्सेज़, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

संजीव कुमार, रीडर रसायन विज्ञान विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सुनीता मल्होत्रा, प्रोफ़ेसर स्कूल ऑफ साइंसेज़, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सुरेंद्र अरोड़ा, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उन सभी संस्थाओं तथा व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने रसायन विज्ञान की कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक के विकास में अमूल्य योगदान दिया। परिषद् निम्नलिखित विद्वानों का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने हिंदी पांडु लिपि के पुनरावलोकन तथा सुधार में अमूल्य योगदान दिया –

वी.एन. पाठक,प्रोफ़ेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर; बिजेंद्र सिंह, jhMj] हंसराज कॉलेज, दिल्ली; दिनेश गुप्ता, रीडर, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर; जे.एल. शर्मा, रीडर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली; लक्ष्मण सिंह, रीडर, एल.आर. कॉलेज, साहिबाबाद; विनोद कुमार,रीडर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली; विजय सारदा, रीडर, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली; अरुण पारीक, प्रवक्ता, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर; अतुल कुमार शर्मा, प्रवक्ता, राजकीय महाविद्यालय, नागौर; किशोर ए. सोर्ते, प्रधानाचार्य, राजकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, निठारी, नांगलोई, नई दिल्ली; सुषमा सेतिया, प्रधानाचार्य, सर्वोदय कन्या विद्यालय, हरिनगर, दिल्ली; समीर व्यास, अनुसंधान सहायक, केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला, नई दिल्ली; अनिल कुमार शर्मा, पी.जी.टी. केंद्रीय विद्यालय, आई.एन.ए.कॉलोनी, नई दिल्ली; राजेश धामा, पी.जी.टी. केंद्रीय विद्यालय, विज्ञान विहार, दिल्ली; उपमा सिंह, विवेकानंद स्कूल, आनंद विहार, दिल्ली; पांडु लिपि के सुधार के लिए श्रीमती कविता शर्मा, प्रवक्ता, प्राथमिक शिक्षा विभाग; श्रीमती रुचि वर्मा, प्रवक्ता, पी.पी. एम.ई.डी एवं श्री राजीव रंजन, प्रति संपादक का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

परिषद् शैक्षिक तथा प्रशासनिक सहयोग हेतु मैत्रेयी चंद्रा, अध्यक्ष डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी. की भी आभारी है।

परिषद् दीपक कपूर, प्रभारी, कंप्यूटर स्टेशन इंचार्ज, तथा उनके सहयोगी सुरेंद्र कुमार, डी.टी.पी. ऑपरेटर; गीता कुमारी और हरि दर्शन लोधी, प्रूफ-रीडर, सहायक कार्यक्रम समन्वयक कार्यालय (डी.ई.एस.एम.), एन.सी.ई.आर.टी. के प्रशासन और प्रकाशन विभाग के सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करती है।

भारत का संविधान

भाग 4 क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51क

मूल कर्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति कों सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर ब\ढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

विषय सूची

प्राक्कथन
प्रस्तावना

एकक 1 रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएँ — 1
1.1 रसायन विज्ञान का महत्त्व — 3
1.2 द्रव्य की प्रकृति — 4
1.3 द्रव्य के गुणधर्म और उनका मापन — 6
1.4 मापन में अनिश्चितता — 10
1.5 रासायनिक संयोजन के नियम — 13
1.6 डॉल्टन का परमाणु सिद्धांत — 15
1.7 परमाणु द्रव्यमान और आण्विक द्रव्यमान — 15
1.8 मोल-संकल्पना और मोलर द्रव्यमान — 17
1.9 प्रतिशत-संघटन — 17
1.10स्टॉइकियोमीट्री और स्टॉइकियोमीट्रिक परिकलन — 19

एकक 2 परमाणु की संरचना — 28
2.1 अवपरमाण्विक कण — 29
2.2 परमाणु मॉडल — 31
2.3 बोर के परमाणु मॉडल के विकास की पृष्ठभूमि — 36
2.4 हाइड्रोजन परमाणु के लिए बोर मॉडल — 45
2.5 परमाणु के क्वांटम यांत्रिकीय मॉडल की ओर — 48
2.6 परमाणु का क्वांटम यांत्रिकीय मॉडल — 52

एकक 3 तत्त्वों का वर्गीकरण एवं गुणधर्मों में आवर्तिता — 73
3.1 तत्त्वों का वर्गीकरण क्यों आवश्यक है? — 73
3.2 आवर्त सारणी की उत्पत्ति — 73
3.3 आधुनिक आवर्त-नियम तथा आवर्त सारणी का वर्तमान स्वरूप — 75
3.4 100 से अधिक परमाणु-क्रमांक वाले तत्त्वों का नामकरण — 78
3.5 तत्त्वों के इलेक्ट्रॉनिक विन्यास तथा आवर्त-सारणी — 81
3.6 इलेक्ट्रॉनिक विन्यास और तत्त्वों के प्रकार (s,p,d,f ब्लॉक) — 82
3.7 तत्त्वों के गुण-धर्मों में आवर्तिता — 85

एकक 4 रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना — 100
4.1 रासायनिक आबंधन की कॉसेल- लूइस अवधारणा — 101
4.2 आयनिक या वैद्युत् संयोजी आबंध — 106
4.3 आबंध प्राचल — 107
4.4 संयोजकता कोश इलेक्ट्रॉन युग्म प्रतिकर्षण सिद्धांत — 113
4.5 संयोजकता आबंध सिद्धांत — 117
4.6 संकरण — 121
4.7 आण्विक कक्षक सिद्धांत — 125
4.8 समनाभिकीय द्विपरमाणुक अणुओं में आबंधन — 129

4.9 हाइड्रोजन आबंधन 131

एकक 5 द्रव्य की अवस्थाएँ **136**

5.1 अंतरा-आण्विक बल 137
5.2 ऊष्मीय ऊर्जा 139
5.3 अंतरा-आण्विक बल बनाम ऊष्मीय अन्योन्य क्रिया 139
5.4 गैसीय अवस्था 139
5.5 गैस के नियम 140
5.6 आदर्श गैस समीकरण 144
5.7 गतिज ऊर्जा एवं अणुक गति 146
5.8 गैसों का अणुगतिक सिद्धांत 147
5.9 आदर्श व्यवहार से विचलन 148
5.10 गैसों का द्रवीकरण 151
5.11द्रव अवस्था 153

एकक 6 ऊष्मागतिकी **158**

6.1 ऊष्मागतिकी के तकनीकी शब्द 159
6.2 अनुप्रयोग 162
6.3 ΔU एवं ΔH का मापन : केलोरीमिति 167
6.4 अभिक्रिया के लिए एन्थैल्पी परिवर्तन, $\Delta_r H$ अभिक्रिया एन्थैल्पी 168
6.5 विभिन्न प्रकार की अभिक्रियाओं के लिए एन्थैल्पी 174
6.6 स्वतःप्रवर्तिता 179
6.7 गिब्ज़ ऊर्जा-परिवर्तन एवं साम्यावस्था 183

एकक 7 साम्यावस्था **189**

7.1 भौतिक प्रक्रमों में साम्यावस्था 190
7.2 रासायनिक प्रक्रमों में साम्यावस्था-गतिक साम्य 193
7.3 रासायनिक साम्यावस्था का नियम तथा साम्यावस्था स्थिरांक 195
7.4 समांग साम्यावस्था 198
7.5 विषमांग साम्यावस्था 200
7.6 साम्यावस्था स्थिरांक के अनुप्रयोग 201
7.7 साम्यावस्था स्थिरांक K, अभिक्रिया भागफल Q तथा गिब्ज ऊर्जा G में संबंध 204
7.8 साम्य को प्रभावित करने वाले कारक 205
7.9 विलयन में आयनिक साम्यावस्था 209
7.10अम्ल, क्षारक एवं लवण 209
7.11अम्लों एवं क्षारकों का आयनन 212
7.12बफ़र-विलयन 222
7.13अल्पविलेय लवणों की विलेयता साम्यावस्था 224